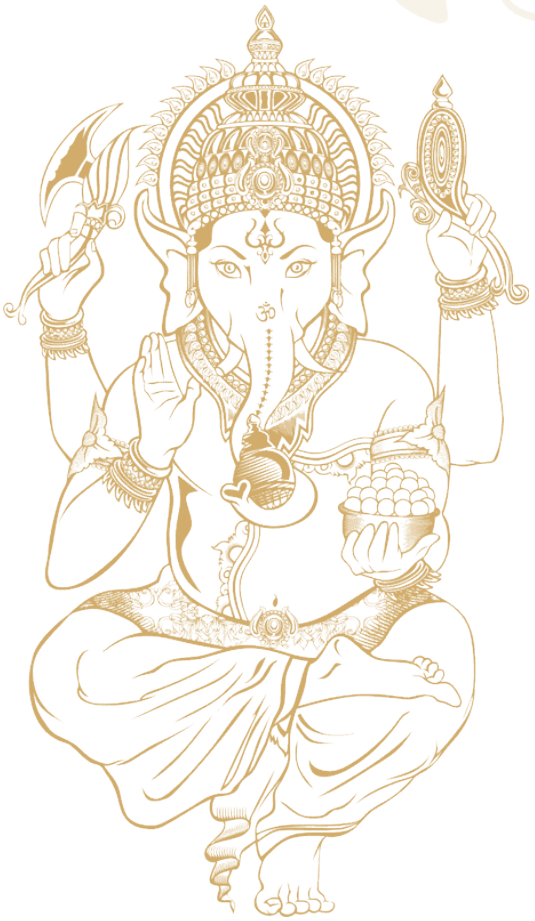

Deepak

Swati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121733603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/06/1998	जन्म तिथि	17/04/2002
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:40:00	जन्म समय	09:20:00 घंटे
घटी 27:56:54	जन्म समय(घटी)	08:25:18 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Narnaul
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	28:04:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:14	सूर्योदय	05:59:01
19:21:53	सूर्यास्त	18:51:25
23:50:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:03

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 7मा 30दि	02:27:49	वृश्चि	लग्न	वृष	28:46:34	चन्द्र 0वर्ष 10मा 6दि
राहु	07:00:23	मिथु	सूर्य	मेष	03:04:54	राहु
21/02/2012	14:26:40	वृष	चंद्र	वृष	22:11:59	21/02/2010
20/02/2030	26:40:36	वृष	मंगल	वृष	08:27:10	22/02/2028
राहु 03/11/2014	20:59:16	मिथु	बुध	मेष	13:49:10	राहु 03/11/2012
गुरु 29/03/2017	03:11:04	मीन	गुरु	मिथु	15:01:21	गुरु 30/03/2015
शनि 03/02/2020	03:43:59	वृष	शुक्र	मेष	25:37:47	शनि 03/02/2018
बुध 22/08/2022	07:22:27	मेष	शनि	वृष	18:05:19	बुध 22/08/2020
केतु 10/09/2023	09:41:14	सिंह व	राहु व	वृष	25:03:10	केतु 10/09/2021
शुक्र 09/09/2026	09:41:14	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	25:03:10	शुक्र 10/09/2024
सूर्य 04/08/2027	18:24:39	मक व	हर्ष	कुंभ	04:04:46	सूर्य 04/08/2025
चन्द्र 02/02/2029	07:44:12	मक व	नेप	मक	16:54:28	चन्द्र 03/02/2027
मंगल 20/02/2030	12:11:54	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:32:28	मंगल 22/02/2028

लग्न-चलित

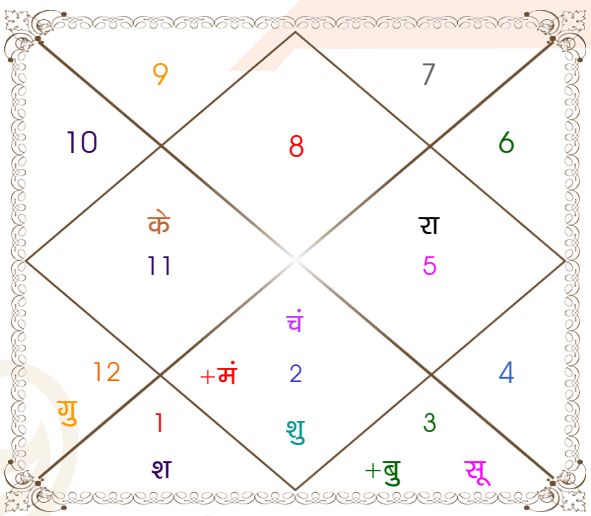

लग्न-चलित

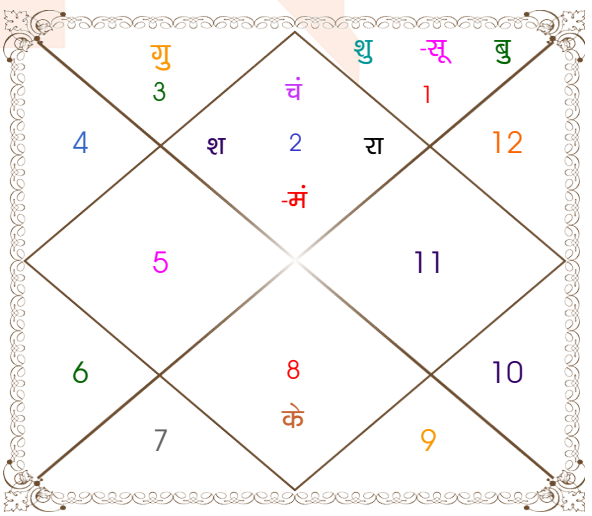

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Deepak का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Swati का नक्षत्र रोहिणी है।

Deepak का वर्ग मृग है तथा Swati का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepak और Swati का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Deepak कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Deepak कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Swati मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Swati कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Deepak कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Deepak तथा Swati में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।